सकल मारवाड़ी मंच भी तैयार

विगत वर्ष मैराथन की शुरुआत में सकल मारवाड़ी युवा मंच ने अपनी पूर्ण उपस्थिति दर्शाई थी. इस बार भी हर संभव प्रयास हमारा रहेगा. सकल मारवाड़ी युवा मंच बीते कई वर्षों से सतत प्रयासरत है. स्वास्थ्य के प्रति अपनी कटिबद्धता दर्शाने में महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं के स्वास्थ्य के लिए प्रयत्नशील है. उत्साह के साथ युवा अभ्यास भी कर रहे हैं.

- संजय मंत्री, संस्थापक अध्यक्ष सकल मारवाड़ी युवा मंच

हम भी है जोश में...

Brought to you by SAFFRON LANDMARKS
Aurangabad Maha Marathon
A LOKMAT INITIATIVE
21km
17 Dec 2017
Associate Sponsor riso
Powered by DHOOT TRANSMISSION
#MahaMarathon /MahaMarathon

औरंगाबाद में मंगलवार को लोकमत भवन में यंग रनर ग्रुप की ओर से (बाएं से) अविनाश कुलकर्णी, संजय पाटील, नितिन देशमुख, मधुकर जाधव, सचिन इंजे, भाऊसाहब गवली, किशोर देसले, दीपक पुराणी, साहेबराव खटाणे, विशाल पालोदकर, सुधीर कुलकर्णी, अरोरा, रीतेश मानधनी, अभिषेक गौड़, बालाजी नारगुड़े, जयंत खरोटे.

औरंगाबाद में मंगलवार को लोकमत भवन में प्रतीक मार्केटिंग ग्रुप के (बाएं से) सागर सुलताने, कादर अली, गुरज्योत दुमड़ा, लकी दुमड़ा, सरबतसिंह सोडी, संदेश त्रिभुवन, फरीद खान.

संजीवनी से कम नहीं है दौड़ना

मधुमेह विशेषज्ञ अर्चना सारडा ने गिनाए फायदे

औरंगाबाद। 28 नवंबर। लोस सेवा

लोकमत समूह ने बीते वर्ष की तरह इस बार भी आगामी 17 दिसंबर को ऐतिहासिक औरंगाबाद शहर में महा मैराथन का आयोजन किया है. तनाव, अनिद्रा, सैकड़ों बीमारियों को मानव शरीर से दूर रखने वाले समुचित व्यायाम दौड़ को लोकमत ने अपना अभियान बनाया है. इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहीं डॉक्टर अर्चना सारडा ने अधिक से अधिक लोगों से इसमें शामिल होने और स्वास्थ्य के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है. उन्होंने दौड़ने से जुड़े कई फायदे भी पाठकों को गिनाए हैं.

युवावस्था में दौड़ेंगे तो नहीं होगा मधुमेह

मधुमेह की शुरुआत अगर वंशानुगत न हो तो करीब 35 वर्ष के बाद होने लगती है. यदि युवावस्था में व्यायाम, दौड़ने का क्रम चलता रहा तो इसे उभरने का मौका ही नहीं मिलता. भारतीय युवा कार और बाइक में चलना अपना स्टैंडर्ड मानते हैं, जबकि विदेश में कार और बाइक पर चलना छोड़कर लोग पैदल, साइकिल या पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करना ठीक समझते हैं. युवाओं की इस मानसिकता को बदलने का प्रयास लोकमत समूह कर रहा है. उड़ान के बहुत से सदस्य दौड़ने के लिए मैराथन में आ रहे हैं. अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल हों, यही हमारा अनुरोध है.

मधुमेह से बचने का उत्तम मार्ग चलना

मधुमेह को दरअसल 'सिटिंग डिसीज' यानी बैठने की बीमारी कहा जाता है. शारीरिक रूप से कम मेहनत करने वाले और अनियमित जीवन शैली से चलने वालों को मधुमेह खासतौर से अपनी गिरफ्त में लेता है. नींद कम लेना, बैठे रहना, शारीरिक गतिविधियों में मशीनों की सहायता अधिक लेना मधुमेह को आमंत्रण देते हैं.

कई फायदे हैं चलने और दौड़ने के

मधुमेह रोगी नहीं है तो चलें मधुमेह आपके पास भी नहीं फटकेगा. यदि मधुमेह रोगी हैं तो चलने के दौरान ऐसे हार्मोंस निकलते हैं जो शर्करा की मात्रा का नियमित रखते हैं. जिस प्रकार बंद पड़ी मशीन जल्दी खराब हो जाती है, उसी प्रकार कम क्रिया करने वाला शरीर हार्मोंस का स्त्राव कम कर देता है. जो मधुमेह रोगी सक्रिय रहते हैं, उन्हें दूसरे रोगियों के अनुपात में कम इंसुलिन और दवाइयों की जरूरत पड़ती है. चलना-दौड़ना शरीर के लिए एक संपूर्ण व्यायाम है. खाना पचने की क्रिया चलने पर अधिकांशतः निर्भर करती है. ऊर्जा के साथ पचने वाला भोजन सही मात्रा में इंसुलिन बनाता है.

ग्रुप बुकिंग के लिए संपर्क करें

महामैराथॉन में आपला हिस्सा जल्द से जल्द निश्चित करें. इसके लिए पंजीयन लोकमत भवन, रीगल लॉन, जालना रोड में सुबह ग्यारह बजे से शाम पांच बजे तक कराया जा सकता है. स्पर्धा में स्कूल, महाविद्यालय, कंपनी के कर्मचारी, रनर्स ग्रुप भी एकत्रित रूप से पंजीयन करा सकते हैं. मैराथॉन में पंजीयन कर अधिक से अधिक धावक, नागरिक भाग लें.

स्पर्धा
- Half Marathon - 21 Kms
- Power Run - 10 Kms
- Fun Run - 5 Kms
- Family Run - 3 Kms

अधिक जानकारी व ग्रुप बुकिंग के लिए 9921030700, 0240-3021708 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है. महामैराथॉन में पंजीयन ऑनलाइन भी किया जा सकता है. इसके लिए धावक www.mahamarathon.com वेब लिंक पर जाएं.

मोबाइल चोर पुलिस की गिरफ्त में

औरंगाबाद । 28 नवंबर । लोस सेवा

टीवी सेंटर परिसर के जिजाऊ चौक में स्थित मोबाइल की दुकान से 3 लाख का माल चुराने वाले विनोद अशोक हिवाले (21, निवासी-हर्सूल) को सिडको पुलिस ने गिरफ्तार किया है. मोबाइल चोरी की यह घटना 24 नवंबर को घटी थी. चोरी करते समय चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया था.

सिडको पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक कैलास प्रजापति ने बताया कि, टीवी सेंटर परिसर के जिजाऊ चौक में 46 वर्षीय अण्णासाहब एकनाथ पवार ने अपनी मोबाइल की दुकान गुरुवार रात में करीब दस बजे दुकान बंद की थी. मध्यरात्रि में करीब तीन बजे के आस-पास दो चोरों ने मोबाइल दुकान का शटर तोड़ कर अंदर प्रवेश किया और 54 मोबाइल तथा 26 हजार 700 रुपए नकद सहित कुल 3 लाख रुपए के माल पर हाथ साफ कर दिया था. इस संबंध में जानकारी मिलते ही पवार ने सिडको पुलिस को जानकारी दी थी. पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर जाकर जांच शुरू की थी.

54 में से 40 मोबाइल जब्त

अशोक हिवाले को गिरफ्तार करने के बाद उसने चोरी के 40 मोबाइल पुलिस के दिए. इस मामले का दूसरा आरोपी आकाश महादेव गावडा फरार है. उसके रिकॉर्ड पर अपराधी होने की जानकारी पुलिस निरीक्षक प्रजापति ने दी है. मामले की जांच फौजदार भरत पाचोले कर रहे हैं.

सीसीटीवी में दिखाई दिए आरोपी

दुकान में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे में चोरों के दुकान में चोरी किए जाने की घटना कैद हो गई थी. इससे पुलिस ने जब सीसीटीवी डाटा की जांच की तो विनोद अशोक हिवाले और आकाश महादेव गावडा दो चोर दिखाई दिए. इसी के आधार पर पुलिस ने विशेष पुलिस अधिकारियों की सहायता से आरोपी विनोद अशोक हिवाले को हर्सूल परिसर स्थित तालाब के पास से गिरफ्तार कर लिया.

Govt Reg.No.7342
पेन केअर इंस्टीट्युट
ऑर्थोपेडीक सर्जन द्वारे सल्ला व उपचार

सांधेवात, गुडघेदुखी, मान, पाठ,कंबरदुखी मायग्रेन (डोकेदुखी), फ्रोझन शोल्डर (खांदेदुखी) सायटीका, स्लिप डिस्क, टाचदुखी, टेनिस ऐल्बो हातापायात मुंग्या येणे
अपना बाजार, बाफना ज्वेलर्स समोर, जालना रोड, औरंगाबाद.
9822899660, 9422713387, 9767442040
(कृपया अपॉईंटमेंट घेऊनच येणे)
सोमवार ते शुक्रवार फक्त

इंजीनियरिंग की परीक्षाएं प्रारंभ, होम सेंटर बंद

औरंगाबाद। 28 नवंबर। लोस सेवा

डॉ बाबासाहब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संकाय की परीक्षाएं आज से प्रारंभ हो गई. प्रथम दिवस पुराने व नए पाठ्यक्रम के विभिन्न 23 विषय के पर्चे हुए. सुबह और दोपहर के सत्र में पर्चे रखे गए थे. खास बात यह है कि परीक्षा विभाग ने इस बार बारीकी से नियोजन किया है. परीक्षा केंद्रों में होम सेंटर तकनीक बंद कराई गई है.

विवि की परीक्षाओं के चरण में यह तीसरे चरण की परीक्षाएं हैं, जिसमें आर्किटेक्चरर, फार्मेसी और एमसीए पाठ्यक्रम शामिल हैं. इस बार इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को कैरिऑन जारी किया गया. जिससे विद्यार्थी को परीक्षा केंद्र पर किसी तरह की दिक्कतें आईं तो केंद्र प्रमुख विद्यार्थी की मदद करें, ऐसी अपील विवि के परीक्षा विभाग ने की थी. ऐन समय पर किसी विद्यार्थी का हॉलटिकट जनरेट नहीं हो सका होगा, तो ऐसे विद्यार्थी को पीआरएन नंबर व अन्य दस्तावेजों की जांच करने के बाद तथा विद्यार्थी से गारंटी पत्र लिखवाकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी. हर एक कॉलेज ने उनके विद्यार्थियों को जिस कॉलेज में परीक्षा केंद्र है, वहां पर एक या दो कर्मचारी विद्यार्थी की शिनाख्त के लिए भेजे जाएं, ऐसी सूचना विवि के परीक्षा व मूल्यांकन संचालक ने दी थी. जिससे पहले दिन कोई समस्या नहीं खड़ी हुई. 19 दिनों तक चलने वाली इन परीक्षाओं को लेकर परीक्षा व मूल्यांकन विभाग ने काफी सारी सूचनाएं परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाई हैं. परीक्षा केंद्रों पर सह केंद्र प्रमुख नियुक्त किए गए हैं. साथ ही उत्तरपुस्तिका संकलन के लिए जिलावार संकलन कॉलेजों को जिम्मेदारी सौंपी गई है. जिस दिन परीक्षा होगी, उसके बाद तीन घंटे के भीतर उत्तरपुस्तिका सीलबंद होकर संकलन केंद्र में जमा की जाएगी. उत्तर पुस्तिकाओं में बारकोड पद्धति का इस्तेमाल किया जा रहा है. साथ ही परीक्षा केंद्रों तक ऑनलाइन प्रश्नपत्र भेजा जा रहा है. पिछले कुछ वर्ष से विवि ने यह प्रयोग सफल कर दिखाया है. इससे विवि को समय की बचत हुई और यातायात का खर्च बच गया है.

ऐन समय पर भेजा जाता है पर्चा

परीक्षा केंद्र में परीक्षा से कुछ समय पूर्व ही पर्चा भेजा जा रहा है, जिसकी सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में शूटिंग की जा रही है. उसके बाद विद्यार्थी संख्या के अनुसार प्रश्न-पत्र की छाया-प्रति निकालकर प्रत्यक्ष विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हॉल में पहुंचाई जा रही है.

'सिटिंग स्क्वाड' कर रहा निगरानी

इंजीनियरिंग की परीक्षा में औरंगाबाद छोड़कर अन्य पांच स्थानों पर होमसेंटर के कॉलेजों में परीक्षा चल रही है. यहां विवि ने 'सिटिंग स्क्वाड' अर्थात बैठा दस्ता तैनात किया है. जिसे हर दो दिन बाद बदला जाएगा. गत कुछ वर्ष के इंजीनियरिंग परीक्षा में आ रहे अनुभवों से सीखते हुए विवि के परीक्षा व मूल्यांकन मंडल संचालक कार्यालय ने सख्त नियोजन और कड़े निर्देशों के बीच ही परीक्षाएं संपन्न कराने का निर्णय लिया है. संभाग से हजारों विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए हैं.

आता प्रथमच सेक्स समस्यांवर अत्याधुनिक विदेशात प्रचलित लेझर व व्हॅक्युम थेरेपी उपचार
विवाहापुर्वी व विवाहानंतर समस्यांसाठी एम.बी.बी.,एस.एम.डी. डॉक्टरांचा सल्ला
हस्तमैथुन, स्वप्नदोष, विर्यदोष, शिघ्रपतन, इंद्रीय शिथिलता, पुरुष वंधत्व
हायपोगोनॅडिझममुळे इंद्रीय समस्या, मधुमेहामुळे आलेली लैगिंक शिथीलता
ऑलीगोस्पर्मीया : शुक्रजंतुची संख्या कमी असणे. ॲझुस्पर्मीया: शुक्रजंतुची संख्या अजीबात नसणे.

आशाकिरण क्लिनीक
१९८५ पासुन शास्त्रीयोक्त मार्गदर्शन केंद्र
३८, निराला बाजार, बाटा शोरुम समोर, औरंगाबाद. वेळ - स.११ ते ३ व सायं.७ ते ९ शनिवार रविवार बंद
कृपया अनावश्यक खर्चीक व फसव्या उपचारापासुन सावध मो. 7769856821 9767132521

ट्रक चालक को लूटने वाले को पड़ेगांव से पकड़ा

औरंगाबाद । 28 नवंबर । लोस सेवा

धुलिया जिले में ट्रक चालक को चाकू की नोक पर लूटने वाले फरार आरोपी 27 वर्षीय सुनील हरिभाऊ पड़वलकर को पड़ेगांव परिसर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

पुलिस के मुताबिक धुलिया जिले में लूटमार करने वाला फरार आरोपी सुनील हरिभाऊ पड़वलकर के पड़ेगांव परिसर में रहने की जानकारी अपराध शाखा पुलिस को मिली थी. इस जानकारी के आधार पर पुलिस निरीक्षक शिवाजी कांबले, सहायक निरीक्षक घनश्याम सोनवणे, संतोष सोनवणे, पुलिस नाइक विजयानंद गवली, सुधाकर राठौड़, नितिन धुले, योगेश गुप्ता, लाल खान पठाण, सिद्धार्थ थोरात, धर्मराज गायकवाड़, नंदलाल चव्हाण, ज्ञानेश्वर पवार ने सुनील को गिरफ्तार कर लिया. सुनील ने पुलिस को बताया कि, धुलिया, पाटोदा, अमलनेर, चौराहे पर फागनेगांव के पास तुअर की बिक्री कर वापस लौट रहे एक ट्रक चालक को चाकू लगाकर लूट लिया था. धुलिया पुलिस थाने में पड़वलकर और उनके अन्य तीन साथियों के खिलाफ मामला दर्ज है. मामले की जांच तहसील धुलिया पुलिस को दी गई है.

धुलिया पुलिस थाने में है अपराध दर्ज

आयुक्त का रूठना बहुत कुछ कह गया

महानगर पालिका में प्रशासन प्रमुख के रूप में आयुक्त की भूमिका काफी अहम रहती है. स्थानीय निकाय में मुख्य अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को मिल-जुल कर आगे बढ़ना पड़ता है. जिस तरह गाड़ी के दो पहियों के बराबर चलने पर ही गाड़ी अपने गंतव्य तक पहुंचती है, उसी तरह स्थानीय निकाय में भी प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच आगे बढ़ने के लिए पहियों की तरह समन्वय बनाए रखना जरूरी होता है. इस हकीकत को सामने रखकर अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक-दूसरे को समझ कर लेते हैं. अगर नहीं समझे, तो फिर समझो कुछ नहीं समझे. इसके बावजूद पिछले कुछ दिनों से आयुक्त और जनप्रतिनिधियों के बीच रस्साकशी का दौर जारी है. कुछ एक अपवाद को छोड़ दिया जाए तो मनपा में आयुक्तों का कार्यकाल हमेशा चर्चा का विषय रहा है. लगभग छह साल पहले आयुक्त के रूप में आए डॉ पुरुषोत्तम भापकर ने कार्यकाल तो वैसे पूरा किया, लेकिन कार्यकाल के दौरान कम विवाद नहीं हुए.

शुरू में भापकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा चल पड़ी. बाद में उनके खिलाफ कई आरोप भी लगे, लेकिन रास्तों के चौड़ीकरण समेत विभिन्न विषयों पर काम कर वह अपना कार्यकाल पूरा करने में सफल रहे. भापकर के बाद मनपा स्थाई आयुक्त के लिए तरस गई. भापकर के बाद आए डॉ हर्षदीप कांबले एक ही साल में चलते बने, तो प्रकाश महाजन का कार्यकाल भी एक वर्ष के लगभग ही रहा. महाजन को वापस भेजने के लिए मनपा के इतिहास में पहली बार अविश्वास प्रस्ताव लाया गया. यह अविश्वास प्रस्ताव भी काफी कुछ कह गया. महाजन गए तो उनके स्थान पर प्रभारी आयुक्त के रूप में सुनील केंद्रेकर आए, वह भी दो-तीन महीने के मेहमान रहे. उनके बाद ओमप्रकाश बकोरिया ने कमान संभाली.

बकोरिया के कमान संभालने के बाद तो जनप्रतिनिधियों के साथ ही अधिकारियों के आचरण में अनुशासन आ गया था. उनके रहने के दौरान काफी कुछ हुआ. आखिरकार बकोरिया को भी चलता कर दिया गया. बकोरिया की जगह पर आए डीएम मुगलीकर को लेकर मामला कुछ सीमा तक ठीकठाक चल रहा था, लेकिन कहते हैं कि हर विषय में झांकने की आदत ने किए- कराए पर पानी फेर दिया. नौकर भरती को लेकर लगे आरोप-प्रत्यारोप ने मुगलीकर को नाराज कर दिया. उनकी नाराजगी का यह हाल रहा कि उन्होंने यहां पर काम करने में अनिच्छा जताई. एक महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए जाने के दौरान वह वरिष्ठ अधिकारियों से अपनी इच्छा भी जता चुके हैं. फिलहाल आयुक्त का प्रभारी पदभार जिलाधिकारी नवलकिशोर राम के पास है और जिले की जिम्मेदारियां संभालने के साथ वह कितना समय मनपा को दे पाएंगे, यह तो समय ही बताएगा. वैसे इस दौरान काफी कुछ हो चुका था. आरोप-प्रत्यारोप से क्षुब्ध मुगलीकर ने प्रशिक्षण के लिए जाने तक फाइलों से अपने हाथ को रोके रखा. हस्ताक्षर के अभाव में कई फाइलें टेबल पर ही रखी रह गईं. इस दौरान दो दिन से प्रभारी आयुक्त राम ने कुछ अहम फाइलें निपटाई तो जरूर हैं, लेकिन आयुक्त का रूठना मनपा पदाधिकारियों के लिए काफी कुछ कह गया.

सब कुछ ठीक नहीं

मनपा में महापौर की कुर्सी पर शिवसेना उम्मीदवार के विराजमान होने के बाद भी सत्ताधारी दल में सब कुछ ठीक नहीं है. गुटबाजी के संतुलन को बरकरार रखने की कवायद में एक कनिष्ठ नगरसेवक की बलि चढ़ गई. संबंधित कनिष्ठ नगरसेवक को सभागृह नेता पद से समय पूर्व हटा दिया गया, यह कार्य एक वरिष्ठ नगरसेवक को सामने रखकर किया गया. सभागृह नेता पद पर जिस वरिष्ठ नगरसेवक को बिठाया गया, वह स्वयं महापौर पद के प्रबल दावेदार रहे. इससे यह बात स्पष्ट होती है कि इस उठापटक के पीछे काफी बातें थीं, ताकि सत्ता की कुर्सी पर भी पार्टी में गुटबाजी का संतुलन बरकरार रहे.